छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित
(उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से स्थायी संबध्द)
विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय
जी.ई रोड, रायपुर (छ.ग.)
E-Mail vipracollege1996@gmail.com Visit on- www.vipracollege.org
पंजीयन कं.–17951 Phone No. 9406082000

7.1.4: Describe the Institutional efforts/initiatives in providing an inclusive environment i.e., tolerance and harmony towards cultural, regional, linguistic, communal socioeconomic and Sensitization of students and employees to the constitutional obligations: values, rights, duties and responsibilities of citizens

Principal
Dr. Meghesh Tiwari
Vipra Kala, Vanijya Avam
Sharirik Shiksha Mahavidyalaya
Raipur, Chhattisgarh

प्राचार्य
विप्र कला,वाणिज्य एवं शारीरिक
शिक्षा महाविद्यालय, रायपुर छ.ग

7.1.4: Describe the Institutional efforts/initiatives in providing an inclusive environment i.e., tolerance and harmony towards cultural, regional, linguistic, communal socioeconomic and Sensitization of students and employees to the constitutional obligations: values, rights, duties and responsibilities of citizens

To build a nation of youth who are noble in their attitude and morally responsible, the college organizes and conducts several activities to build and promote an environment for ethical, cultural, and spiritual values among the students and staff. To develop the emotional and religious feelings among the students and the faculty, commemorative days are celebrated on the campus with the initiative and support of the management for not only recreation and amusement but also to generate the feeling of oneness and social harmony.

The college and its teacher and staff jointly celebrate the cultural and regional festivals, like New-year's day, Fresher's/Welcome Party (**Know Your College**), Teacher's day, orientation and farewell program, Induction program, rally, oath taking ceremony, plantation, Youth day, Women's day, International Yoga day, festivals like Diwali, Holi Milan celebration, New Year celebration, Anand Mela, etc. religious ritual activities are performed in the campus.

Motivational lectures of eminent persons of the field are arranged for all-round development of the students for their personality development and to make them responsible citizens following the national values of social and communal harmony and national integration.

Besides academic and cultural activities, we have built up many strong infrastructures for a variety of sports activities for the physical development of the students. In this way the institute's efforts/initiatives in providing an inclusive environment for everyone with tolerance and harmony towards cultural, regional, linguistic, communal socioeconomic, and other diversities.

Various sports at university, state and higher levels allotted by the Higher Education Chhattsigarh are organised by the college.

The Institute shares it's well equipped sports infrastructure with the community members for organizing their sports events like the leading Banks and Cricket Academies practices throughout the year and organizes their events in which the Institute participates and cooperates actively.

Vipra Kala, Vanijya Avam Sharirik Shiksha Mahavidyalaya is committed to inculcate harmony amongst the students by organizing in-house competitions, events & programs on various cultural dimensions and encourages the students to participate in the Youth Festival organized by the affiliating university i.e. Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh. Along with it the students and faculty members participates in the community events also.

The institute inculcates the understanding towards Local/Regional culture by organizing extension activities like excursions which serves not only the academic purposes but also it energises the students and faculties in every regard.

The College organizes Hindi Diwas on 14 September year in a grand level by inviting renowned Poets and Poetess of the State. This event creates such a great harmony and pleasure among all the stakeholders of the College. The institute initiates some Value Added courses every year for inculcating the values among the Students as an addition of the prescribed curriculum.

S. N.	Name of Event	Weblink
1.	Induction program	http://www.vipracollege.org/induction_program.php
2.	Teacher's day	http://www.vipracollege.org/teachers_day.php
3.	Oath taking ceremony	http://www.vipracollege.org/oath_taking_ceremony.php
4.	Hindi Diwas on 14 September	http://www.vipracollege.org/hindi_diwas.php
5.	Motivational lectures	http://www.vipracollege.org/guest_lectures.php
6.	Women's day	http://www.vipracollege.org/women_equity_day.php
7.	Sports activities	http://www.vipracollege.org/sports_events.php
8.	Swacchhata Abhiya	http://www.vipracollege.org/swacchhata_abhiyan.php
9.	Dr. Balkrishna Sharma Samman Samaroh	http://www.vipracollege.org/hindi_diwas.php
10.	Health Camps	http://www.vipracollege.org/health_camps.php
11.	Vaccination Camp	http://www.vipracollege.org/vaccination_camp.php
12.	Value Added courses	http://www.vipracollege.org/value_added_cources.php
13.	Yoga Camp	http://www.vipracollege.org/yoga_camp.php
14.	Media Coverage	http://www.vipracollege.org/media_coverage.php

Session 2017-18

The Hitavada 15 Sep 2017

State-level Kavi Sammelan held

A poet reciting poems during a Kavi Sammelan at Vipra Arts Commerce and Physical Education College Raipur.

Staff Reporter
RAIPUR, Sept 14

VIPRA Arts, Commerce and Physical Education College Raipur organised "Kavi Sammelan" at the college campus recently. Poetess Shashi Dubey, Neeta Kamboj and poet Rajesh Tiwari recited poems and enthralled the audience.

Pamdalochan Sharma conducted the proceedings of the Kavi Sammelan. Gyanesh Sharma was the chief guest at the function. Principal Dr Meghesh Tiwari proposed the vote of thanks. Avinash Shukla, Ramprasad Sharma, lecturers and students were present.

नईदुनिया
रायपुर, शुक्रवार 15 सितंबर 2017

पद्मलोचन, डॉ
रानी शुक्ला, ...
कविता प्रस्तुत

हिंदी हमारी भाषा है इसे बचाइए माथे की बिंदी है इसे सजाइए

रायपुर। नईदुनिया रिपोर्टर

राज्य स्तरीय कवि सम्मेलन कविताओं में दिखा हिंदी प्रेम

'हिंदी हमारी भाषा है। इसे बचाइए, माथे की बिंदी है, इसे सजाइए...,' चुभाएँ काट दी अंग्रेजी खंजर से, अब बातों में बेंदी के रस कौन घोलेगा...।' विप्र कॉलेज में हिंदी दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कवि सम्मेलन में कुछ ऐसे ही हिंदी कविताओं से कवियों ने समा बांध दिया। सम्मेलन में कवियों ने हिन्दी प्रेम के साथ ही समाज के कई विषयों को कविताओं के माध्यम से लोगों के सामने रखा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर छग कांग्रेस कमेटी के चेयरमैन ज्ञानेश शर्मा के साथ प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी और सभी शिक्षक व छात्र छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पद्मलोचन

सम्मेलन में गीतकार डॉ. संध्या रानी शुक्ला ने 'गीत बेटियां घर के आंगन की गुलजार हैं, बेटियां मन के तारों की झनकार हैं...', के माध्यम से बेटियों के गुण गाए तो व्यंग्यकार जयप्रकाश त्रिपाठी ने तमाशा देखने वालों को कहा कि 'देख देखना बेजार बेकार ये सूरत कैसी, जो मन को कभी न खिला सके वो सूरत कैसी...।' वहीं हास्य कवि वीरेंद्र कुमार तिवारी ने छत्तीसगढ़ी रंग जमाते हुए कविता के माध्यम से कहा- 'गोठ बात में कमी नई हे, दुनो गजब भाये हे, बेटी छत्तीसगढ़ी हमार अउ हिन्दी

देशबन्धु 15 सित. 2017

हिन्दी दिवस पर कवि सम्मेलन आयोजित

रायपुर, 14 सितम्बर (देशबन्धु)। छतीसगढ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति संचालित विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविधालय में हिन्दी दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया । इसमें छतीसगढ राज्य के प्रसिध्द कवियों के पंक्तियों में श्रोता तीन घण्टे तक गोता लगाते रहे । कवि सम्मेलन का प्रारंभ मुख्य अतिथि ज्ञानेश शर्मा मिडिया चेयरमेन छ.ग. कांग्रेस कामेटी ने सरस्वती की पूजा और दीप प्रज्वलन से किया । विप्र कालेज के हॉल में कवि सम्मेलन मां शारदा की वन्दना से प्रारंभ हुआ तेरी करू मैं वन्दना मुझे ज्ञान का वरदान दें डां संध्यारानी शुक्ला के सुमधुर स्वर ने मां की वन्दना की । गीताकार डॉ संध्यारानी शुक्ला ने फिर गीत के माध्यम से बेटियों का गुण गाई । इसके बाद हास्य व्यंगकार जय प्रकाश त्रिपाठी ने तमाशा देखने वालों पर जमकर चोट की । वीरेन्द कुमार तिवारी वीक हास्य कवि डोगरगांव ने छतीसगढ ने अपना रंग जमाया हास्य व्यंग्य के प्रसिध्द कवियत्री शशि दुबे ने हिन्दी भाषा की स्थिति पर चिंता व्यक्त की । नीता कंबोज गीतकार भिलाई ने अपने गीतों के माध्यम से सबको मंत्र मुग्ध कर दिया हास्य कवि राजेश तिवारी ने भी चुटकी ली।

'नई दुनिया' 11 अक्टू. '2017

नाचते-गाते किया जूनियर्स का वेलकम

रायपुर। विप्र कॉलेज में वाणिज्य संकाय के सीनियर छात्रों ने मंगलवार को जूनियर्स के लिए वेलकम पार्टी का आयोजन किया। सीनियर्स ने नाचते-गाते जूनियर्स स्वागत किया। जूनियर छात्रों ने अपना परिचय दिया और सीनियर्स की फरमाइश पर डांस भी किया। मुख्य अतिथि कांग्रेस के मीडिया प्रभारी ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि सीनियर्स से जूनियर्स को हमेशा सीखते रहना चाहिए। कार्यक्रम में 'कौन बनेगा करोड़पति' की तर्ज पर विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे गए। इससे सीनियर छात्रों ने जूनियर्स का सामान्य ज्ञान परखा। सभी छात्रों ने अंत में डांस और गाना गाकर मस्ती की। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी समेत समस्त प्राध्यापक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

'नवभारत' 11 अगस्त 2017

नृत्य व गीतों से किया सीनियर्स ने जूनियर्स का वेलकम

विप्र कॉलेज में वाणिज्य संकाय का स्वागत समारोह

■ नवभारत रिपोर्टर | रायपुर.

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय के सीनियर्स ने जूनियर्स का वेलकम नृत्य व गीतों के साथ किया. सीनियर्स ने सबसे पहले अपना परिचय दिया और जूनियर्स की मांग पर गीत, नृत्य और प्रहसन की प्रस्तुति दी. फिर जूनियर्स ने वन मिनट गेम शो में अपना बुद्धि कौशल दिखाया. इसके बाद चला 'कौन बनेगा करोड़पति' की तर्ज पर प्रश्न-उत्तर का दौर, जिसमें जूनियर्स के सामान्य ज्ञान की परीक्षा ली गई. फिर सभी जूनियर्स ने अपना परिचय देकर सीनियर्स की मांग पर नृत्य व गीत प्रस्तुत किए. स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ लेते हुए इस वेलकम पार्टी का समापन हुआ. इस मौके पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी ज्ञानेश शर्मा व प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने जूनियर्स को सीनियर्स के मार्गदर्शन में अध्ययन-अध्यापन और रचनात्मक गतिविधियों में लगकर जीवन निर्माण की प्रेरणा दी.

छत्तीसगढ़ 10 अक्टू 2017

रायपुर। विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में मंगलवार को वाणिज्य संकाय के सीनियर्स ने जूनियर्स का खास अंदाज में वेलकम किया। स्वागत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में ज्ञानेश शर्मा (मीडिया प्रभारी छग कांग्रेस कमेटी) और प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी मौजूद रहे।

नवभारत' 11 नव. 2017

स्वस्थ रहने के लिए सही जीवन शैली जरूरी: डॉ. राठौर

नवभारत रिपोर्टर रायपुर.

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया. इसमें प्राध्यापकों व विद्यार्थियों के ब्लड प्रेशर, शुगर आदि की जांच की गई. वहीं डॉ. टी.आर. राठौर-एमडी मेडिसिन ने मधुमेह के लक्षण, बचाव व इलाज की जानकारी देते बताया कि स्वस्थ रहने के लिए सही जीवन शैली आवश्यक है. विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण राज वर्मा, नवनीत दुबे व असीम चंद्राकर की टीम ने किया.

डॉ. राठौर ने इस अवसर पर कहा, सोचने, उठने, बैठने, बोलने, सोने और जागने का ढंग ठीक होना चाहिए, अर्थात् सही जीवन शैली हो. पैर गर्म, पेट नर्म और माथा ठंडा स्वस्थ शरीर की निशानी है. ग्लूकोज खाली पेट 126 से ज्यादा और खाने के दो घंटे बाद 200 मिलीग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए. यदि नियमित शुगर लेबल कम या ज्यादा हो तो मधुमेह की बीमारी है. मधुमेह का इलाज सही जीवन शैली, सही आहार, सही व्यायाम इन तीनों से बात न बने तब गोली, फिर भी ठीक न हो तब आखिर में इंसुलिन इजेक्शन लिया जाना चाहिए. इस दौरान प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने कहा, स्वस्थ रहने की शिक्षा देना भी आवश्यक है. नियमित दिनचर्या, सही सोच और सही आहार के साथ तनावरहित कैसे रहें, यह प्राध्यापकों को सिखाना चाहिए और विद्यार्थियों को भी सीखना चाहिए.

पत्रिका, 16 नव. 2017

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में वार्षिक प्रतियोगिता का आयोजन

गूमर व लावणी के जरिए बयां की प्रांतों की संस्कृति

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ● कोई राजस्थानी लिवास में घूमर, तो कोई महाराष्ट्र की लावणी, तो कहीं पंजाबी भांगड़े की मनमोहक झलकियां देखकर मानो ऐसा प्रतीत हो रहा था कि पूरे देश का भ्रमण यहीं हो। यह नजारा था विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में वार्षिक प्रतियोगिता का। यहां कॉलेज की छात्राओं ने समस्त प्रांत के नृत्यों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर गुजरात, पंजाब और छत्तीसगढ़ी सुआ के माध्यम से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य मेघेश तिवारी, प्रीति मिश्रा, प्रीति यादव, कल्पना तिवारी और अपूर्वा शर्मा आदि उपस्थित रहे।

चला भांगड़ा का जादू

आयोजन में भारत के प्रसिद्ध नृत्यों की परफॉर्मेंस छात्राओं ने दी लेकिन सबसे ज्यादा अट्रैक्ट करने वाली प्रस्तुति भांगड़ा की रही। इसमें छात्राओं ने पंजाब की खुशहाली और समृद्धि को डांस के माध्यम से बयां किया। वहीं किसान और मजदूरों की खूबसूरती की छटा नृत्य के जरिए बताई।

राजस्थानी डांस और रोमांचक सीखा का तड़का: विप्र कॉलेज में घूमर एंड ग्रुप ने राजस्थानी नृत्य घूमर को लय और ताल के साथ प्रस्तुत किया। इसके अलावा गर्ल्स ने वेस्टर्न गानों पर सोलो परफॉर्मेंस देकर धमाल मचाया। वहीं वेगा की छात्राओं ने सुआ, कर्मा और ददरिया आदि छत्तीसगढ़ी नृत्यों की प्रस्तुति देकर समां बांधा।

नृत्य हमारे जीवन में उपयोगी

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने कहा कि डांस हमारे जीवन में बहुत उपयोगी है। इसके जरिए शरीर में स्फूर्ति आती है और दिमाग भी तरोताजा रहता है। कॉलेज के शिक्षकों ने स्टूडेंट्स को उनके सुनहरे भविष्य की कामना की।

छत्तीसगढ़ 25 नव. 2017

रायपुर, 25 नवंबर। विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में शनिवार को फन फेस्ट का ज्ञानेश शर्मा (चेयनमेन मीडिया छग कांग्रेस कमेटी) ने उद्घाटन किया। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में आनंद पांडेय, सुनील पांडेय और प्राचार्य मेघेश तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। फन फेस्ट में विद्यार्थियों ने स्वादिष्ट व्यंजन गुपचुप, कटलेट, ढोकला, फरहा, अनरसा जैसे स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर पाक कला का परिचय दिया। प्रतिभागियों ने व्यंजन बनाने के साथ-साथ व्यंजन की विधि भी बताई।

नवभारत 28 नवम्बर 2017

'विप्र फन फेस्ट-2017' उद्घाटित

■ नवभारत रिपोर्टर | रायपुर.

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में 'विप्र फन फेस्ट-2017' का आयोजन किया गया. जिसमें स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ ही गेम्स भी खेले गए. कार्यक्रम का उद्घाटन चेयरमैन मीडिया विभाग छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी ज्ञानेश शर्मा ने किया उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 'फन फेस्ट' प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को आपस में जोड़ने का एक तरीका है. विद्यार्थी तरोताजा होकर अर्द्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी पूरे जोश के साथ करें. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि विद्यार्थियों ने पाक कला अंतर्गत गुपचुप, दाबेली, कटलेट, ढोकला, इडली, फरा, अरसा जैसे स्वादिष्ट व्यंजन बनाए. साथ ही विभिन्न गेम्स में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया. उन्होंने कहा कि छात्रों को भी पाक कला सीखनी चाहिए. यह आयोजन शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस. एल. फासिस के नेतृत्व में किया गया. इस अवसर पर डॉ. उषा दुबे सहित सभी प्राध्यापक उपस्थित थे.

'हरिभूमि' 1 कर. '18

रंग-तरंग में छत्तीसगढ़ी और नागपुरी नृत्य में धमाकेदार परफॉर्मेंस

विप्र कॉलेज में वार्षिक स्नेह सम्मेलन

इन्होंने किया परफॉर्म

मंजू ग्रुप द्वारा योगा नृत्य, नेहा निर्मलकर ने वास्तनाट्यम, शुभिका चौधरी ने घूमर, शेखर साहू ने मैं हू.., जैसे गीतों पर शानदार प्रस्तुति देकर वाहवाही लूटी। ज्योति एवं नमिता ग्रुप ने हवा के झोंके से , मोनिका ग्रुप ने जय हो.., संजोगिता ग्रुप ने दिल दी गल्ला.. पर प्रस्तुति दी। अन्य छात्रों ने भी विविध गीतों में शानदार प्रस्तुति दी।

रायपुर। विप्र कॉलेज में वार्षिक स्नेह सम्मेलन रंग-तरंग का आयोजन किया गया। इस मौके कॉलेज के सभी संकायों ने स्टूडेंट्स सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शुरुआत शिक्षा संकाय के स्वाति ग्रुप द्वारा स्वागत नृत्य से हुई। इसके बाद काजल ग्रुप ने गणेश वंदना में शानदार कत्थक नृत्य पर प्रस्तुति देकर ऑडियंस को तालियां बजाने मजबूर कर दिया। इसके अलावा स्टूडेंट्स के नागपुरी, बॉलीवुड, छत्तीसगढ़ी सहित रिमिक्स, डिस्को डांस को सभी की सराहना मिली।

मुख्य अतिथि शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा रहे। इसके अलावा संरक्षक रामू प्रसाद, डायरेक्टर अविनाश शुक्ला और भूपेंद्र शर्मा, प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी, उपप्राचार्य विवेक शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस मौके पर प्राचार्य द्वारा कॉलेज के वर्षभर के वार्षिक गतिविधियों के बारे जानकारी दी गई।

हरिभूमि 28 फर' 18

मस्ती भरे माहौल में दी विदाई

रायपुर। विप्र महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय के जूनियर्स ने अपने सीनियर्स के लिए विदाई पार्टी का आयोजन किया। छात्रों ने फेयरवेल पार्टी को यादगार बनाते हुए नाचते-गाते, मस्ती के माहौल में सीनियरों को विदाई दी। छात्रों के लिए डांस और गेम्स भी रखे गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यक्ष विप्र शिक्षण समिति ज्ञानेश शर्मा व विशिष्ट अतिथि उषा दुबे रहे। प्राचार्य मेघेश तिवारी, विप्र प्रशिक्षण समिति के सचिव आनंद पांडे व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

नवभारत 28 फर' 18

विप्र कॉलेज में रंगारंग कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति

जूनियर्स ने सीनियरों को दी फेयरवेल पार्टी

■ नवभारत रिपोर्टर। रायपुर.

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय के जूनियर्स ने फेयरवेल पार्टी को यादगार बनाते हुए रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सीनियरों को भावभीनी विदाई दी. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा और विशिष्ट अतिथि डॉ. उषा दुबे ने आशीर्वचनों के साथ विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

श्री शर्मा ने कहा कि अवसर और सुविधाओं का लाभ उठाते हुए अनुशासन और परिश्रम के द्वारा सफलता के लिए दृढ़संकल्पित होना चाहिए. डॉ. उषा दुबे ने कहा कि विद्यार्थी कक्षा में नियमित उपस्थित रहकर अध्ययन करें. शिक्षकों द्वारा सीखा हुआ और सहपाठियों के साथ किया गया अध्ययन आपको नई ऊंचाई देगा. प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने कहा कि महाविद्यालय कभी किसी विद्यार्थी को विदाई नहीं देता. आप कॉलेज से जुड़े रहें. भूतपूर्व विद्यार्थियों का संगठन महाविद्यालय के विकास में निरंतर

नवभारत फोटो

सहयोग कर रहा है.

कार्यक्रम में जूनियर्स ने सीनियर्स का तिलक लगाकर स्वागत किया. सीनियर्स के लिए कई फन एक्टिविटी आर्गनाइज की और बॉलीवुड गानों पर जमकर डांस किया. सीनियर्स कॉलेज के सुनहरे पलों को यादकर भावुक हुए और जूनियर्स को सीख दे गए कि कॉलेज के हर पल में कुछ सीखते रहें और अपने जीवन निर्माण की दिशा में आगे बढ़ते रहें. फेयरवेल पार्टी का आयोजन छात्रसंघ महासचिव यीशु कुम्भकार के नेतृत्व में रीता टेमरे, सुधांशु तिवारी, पुष्पराज विश्वकर्मा, दुर्गेश देवांगन, सत्यम मिश्रा, आरती साहू और श्वेता वर्मा ने किया. वर्तमान छात्रसंघ अध्यक्ष डिम्पल शुक्ला और भूतपूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष आशीष उपाध्याय ने जूनियर्स के प्रति आभार व्यक्त किया.

नवभारत 13 जून 2018

विप्र कॉलेज में पं. रविवि का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी सम्मानित

'खुद सफल होकर दूसरों की सहायता करने योग्य बनने की चुनौती स्वीकारें'

■ नवभारत रिपोर्टर | रायपुर

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर रुस्तम सारंग के मुख्य आतिथ्य में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया.

महाविद्यालय के 30 विद्यार्थियों को पं. रविवि टीम से खेलने पर सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सारंग ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने योग्य अपने गुरु कोच और अन्य शुभचिंतकों के सहयोग से बना और एक मुकाम हासिल करने के बाद 60 बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर अपने से बड़े खिलाड़ी बनाने का प्रयास कर रहा हूं.

दूसरों के सहयोग से सफलता प्राप्त कर दूसरों की सफलता में सहयोग देने योग्य बनने की चुनौती स्वीकार करें. इस अवसर पर विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने बताया कि खेल के क्षेत्र में सुविधा और प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर विप्र कॉलेज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी तैयार किया है. अब उनके सहयोग और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी नई ऊंचाई छूने प्रेरित होगी. प्राचार्य डॉ. मधेश तिवारी ने कहा कि खेल में कुशलता के लिए टीम भावना के साथ संगठित प्रयास आवश्यक है. समारोह में ऑल इंडिया कबड्डी खिलाड़ी विनय साहू, केनोइंग में नेशनल लेवल पर मेडल प्राप्त स्वाति साहू, सॉफ्टटेनिस में नेशनल मेडल विजेता मुक्ता मिश्रा को भी सम्मानित किया गया.

दैनिक भास्कर 13 जून '18

10 खेलों के 30 से अधिक खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

रायपुर| छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन की ओर से विप्र कॉलेज में रविशंकर विश्वविद्यालय का अलग-अलग खेलों में प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। कॉलेज के 30 से अधिक खिलाड़ी का सम्मान कर उन्हें प्रमाण पत्र दिए गए। सम्मानित खिलाड़ीः अंजली, गोविंद, भूपेश, श्रेयांश, सुशांत, साईनाथ, विद्या, रुशाली , दीपक, आशिष, हर्ष, प्रिया, रवीना, अमरजीत, कोमेश, नंद कुमार, दीपक कुमार, प्रीती तुलाराम, रीना, सरिता, सुधीर, स्वाति, विनय, रविंद्र, विनय साहू और भुवन लाल।

हरिभूमि 13 जून 2018

महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र सम्मानित

विप्र कालेज में खिलाड़ी सम्मान समारोह के अवसर पर 30 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के खेल प्रतियोगिता में नेतृत्व करने वाले खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि वेटलिफ्टिंग रुस्तम सारंग ने पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

रायपुर। इस अवसर पर रुस्तम सारंग ने कहा कि मैं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने योग्य अपने गुरु और कोच के सहयोग से बना। आज 60 बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण देने का काम कर रहा हूं। कार्यक्रम में विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि खेल के क्षेत्र में सुविधा और प्रशिक्षण देकर कालेज ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार किए है। प्राचार्य डा. मधेश तिवारी ने कहा कि खेल में कुशलता के लिए टीम भावना के साथ संगठित प्रयास आवश्यक है। हमारा लक्ष्य एक नहीं सैकड़ों खिलाड़ी तैयार करने का होना चाहिए। समारोह में कबड्डी के राष्ट्रीय खिलाड़ी विनय साहू, स्वाति साहू और साफ्ट टेनिस के राष्ट्रीय खिलाड़ी मुक्ता मेश्रा का भी सम्मान किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के संस्थापक सदस्य राजेश शर्मा (पौंतावाले) के निधन पर शोक सभा कर श्रद्धांजलि दी गई।

दुनिया 13 जून 2018

सफल होकर दूसरों की ता में सहयोग करें : रुस्तम

खेल प्रतिनिधि

कास संगठन शिक्षण णिज्य एवं शारीरिक द्वारा मंगलवार को विवि का प्रतिनिधित्व ाड़ियों को सम्मानित भागृह में आयोजित समारोह के मुख्य ीय वेटलिफ्टिंग रंग थे। रुस्तम ने ार के तौर पर प्रमाण क्या।

के बाद रुस्तम प्रेरित करते हुए य स्तर पर देश का ख अपने गुरु, कोच हयोग से बना और सिल करने के बाद

अपने से बड़े खिलाड़ी बनाने का प्रयास कर रहा हूं। दूसरे के सहयोग से सफलता प्राप्त कर दूसरों की सफलता में सहयोग देने योग्य बनने की चुनौती स्वीकार करें। इस दौरान रुस्तम ने खेल से जुड़े अपने अनुभव को साझा किए। वहीं इस अवसर पर विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि विप्र कॉलेज ने खेल के क्षेत्र में सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार किए हैं। प्राचार्य डॉ. मधेश तिवारी ने कहा खेल में कुशलता के लिए टीम भावना के

विप्र ट्राफी अंतर महाविद्यालयीन बास्केटबाल प्रतियोगिता के रोमांचक पल. नवभारत फोटो

विप्र ट्रॉफी पर सेंट विसेंट पैलोटी कॉलेज का कब्जा

रायपुर. उच्च शिक्षा विभाग छ.ग. शासन के तत्वावधान में विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा आयोजित परिक्षेत्र स्तरीय विप्र ट्राफी अंतर महाविद्यालयीन बास्केटबाल प्रतियोगिता के फाइनल में सेंट विसेंट पैलोटी कालेज ने श्री रावतपुरा सरकार कालेज को 27-16 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया. इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. अंजनी शुक्ला (अध्यक्ष छ.ग. निजी वि.वि. नियामक आयोग) ने विजेता व उपविजेता टीम को विप्र ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किए. सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी शेख बासीत को विप्र ट्राफी प्रदान किया गया. प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने विप्र कालेज में खेल गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि अंतर महाविद्यालयीन स्तर के प्रतियोगिताओं में विप्र प्रबंध समिति खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए विप्र ट्राफी प्रदान करती है. सेंट विसेंट पैलोटी के शेख पैलोटी के शेख बासीत ने शानदार 12 पाइंट बनाए. पूरे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण शेख बासीत को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया. आयोजन सचिव डॉ. मनोज ठाकुरी व पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन डॉ. कैलाश शर्मा ने किया. प्रतियोगिता का संचालन उमेश सिंग ठाकुर, फारूख अहमद, हीरा जगत व लोकेश सागर ने किया..

Session 2018-19

हरिभूमि 5 सित. '18

जूनियर का साथ देने सीनियर्स ने किया वादा

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय के कंप्यूटर विभाग के सीनियर स्टूडेंट्स ने अपने जूनियर स्टूडेंट्स के लिए वेलकम पार्टी आयोजित की। यहां सीनियर्स ने अपने जूनियर्स को पढ़ाई में हमेशा उनका साथ निभाने का वादा किया। इस विश्वास के साथ सभी स्टूडेंट्स ने पूरे उत्साह से नाचते-गाते अपनी वेलकम पार्टी को एंजॉय किया।

विप्र कॉलेज में स्वागत समारोह

रायपुर। दीप प्रज्वलन कर शुरुआत करते हुए मुख्य अतिथि ज्ञानेश शर्मा ने कहा, स्वागत समारोह वरिष्ठ और कनिष्ठ विद्यार्थियों को आपस में जोड़ने का काम करती है। सीनियर्स अपने जूनियर्स का उचित मार्गदर्शन करें और कॉलेज की सुविधाओं के अनुसार उन्हें उनकी पढ़ाई में सहयोग करें। अपने संबोधन में प्राचार्य मेघेश तिवारी ने महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा अध्ययन-अध्यापन के साथ सांस्कृतिक, साहित्यिक और खेलकूद की गतिविधियों में संपूर्ण भागिदारी से ही पूर्ण विकास संभव है।

गेम्स व इंट्रो से दूर की झिझक

कार्यक्रम में सीनियर्स व जूनियर्स ने अपना अपना परिचय दिया और अनेक गेम्स खेलकर अपने संबंध को करीब किया। जिससे सीनियर और जूनियर का आपस में झिझक कम हो सके। इसके साथ ही कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेकर जमकर एंजॉय किया।

नवभारत

हिन्दी दिवस पर विप्र महाविद्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन

कवि व साहित्यकारों का किया सम्मान

नवभारत रिपोर्टर | रायपुर.

हिंदी दिवस के मौके पर छत्तीसगढ़ के कवियों और साहित्यकारों का विप्र महाविद्यालय में सम्मान किया गया. इस दौरान कवियों ने अपने चिर-परिचित अंदाज में श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया. इस दौरान लक्ष्मण मस्तूरिया, रामेश्वर वैष्णव, मीर अली मीर, गिरीश पंकज, आलोक शर्मा, कुंदन काशीपुरी, पद्मलोचन मुंहफट, निश्चय वाजपेयी तथा संध्या शुक्ला का विप्र महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रीफल, शॉल भेंटकर सम्मान किया गया. प्रारम्भ में विप्र महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने उपस्थित कवियों का स्वागत करते हुए मातृभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर विप्र भवन प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी, महाविद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य अविनाश शुक्ला, आनंद पांडे, संजय दीवान, डॉ. उषा दुबे, राजेन्द्र तिवारी, नवीन शुक्ला, कैलाश शर्मा, मनोज शुक्ला, दिव्या शर्मा, प्रकाश बैद्य, मोहित, सहित प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन युवा कवि एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक राजेश तिवारी ने किया.

हरिभूमि 17 अक्टू 18

विद्यार्थी को दिलाई अनिवार्य मतदान व नशा मुक्ति की शपथ

रायपुर। विद्यार्थियों को चुनाव में मतदान का सही उपयोग करने व नशा मुक्त जीवन जीने के लिये छत्तीसगढ़ युवा विकास सगंठन द्वारा विप्र कॉलेज में अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को होने वाले विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करने शपथ दिलाई गई। साथ ही स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु नशा व व्यसनों से दूर रहने प्रेरित किया गया।

इस दौरान एशिया के शक्तिशाली व्यक्तियों में गिने जाने वाले मनोज ने पेचकस, पाना, स्टील तवा मोड़कर शक्ति प्रदर्शन कर सभी विद्यार्थी को चौका दिया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी सहित प्राध्यापक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अनुभव किए साझा

कार्यक्रम में मनोज ने संघर्ष साझा करते हुए बताया, वे 1996 से कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वर्ल्ड स्टांगैन का खिताब हासिल कर मनोज 10 वर्षों से एशिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं। इस दौरान विद्यार्थियों से उन्होंने कहा की विश्व के साथ आप अपने क्षेत्र में योग्य बनने के लिये जुट जाए। इसके लिए सभी नशों से दूर रहकर अच्छा नागरीक बने। इस दौरान मनोज के स्टंट को देखकर सभी छात्र हैरान

छत्तीसगढ़ 16 अक्टूबर 18

स्ट्रांगमेन मनोज ने हैरतअंगेज प्रदर्शन के साथ मताधिकार की शपथ दिलाई

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 16 अक्टूबर। विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में एशिया के स्ट्रांगमेन मनोज चोपड़ा ने हैरतअंगेज कारनामों से विद्यार्थियों को अंचभित कर दिया। उन्होंने विधानसभा चुनाव में विद्यार्थियों को मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ भी दिलाई।

फौलादी प्रदर्शन के अवसर पर मनोज चोपड़ा ने विद्यार्थियों को बताया कि वह 10 वर्षों से एशिया के तथा 17 वर्षों से भारत के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के रूप में पहचान रखते हैं। वर्ष 2004 में कनाड़ा में उन्होंने पहली बार वर्ल्ड स्ट्रांग मैन का खिताब हासिल किया। मनोज चोपड़ा ने कहा कि हर विद्यार्थी में चैंपियन है। इस विश्वास के साथ आप अपने क्षेत्र में योग्य बनने के लिए जुट जाएं। इसके लिए नशा से दूर रहें और स्वस्थ रहें। इस अवसर पर प्राचार्य मेघेश तिवारी ने मनोज चोपड़ा के प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए कहा।

'हरिभूमि' 16 नव. '18

लोगों को किताब पढ़ाने मोहल्ले में लगाई किताबों की कुटिया

रायपुर। बदलते दौर में मोबाइल व बढ़ते इंटरनेट के चलन ने लोगों को किताबों से दूर कर दिया है। लोग अपने फोन पर ऐप्स के जरिये ही किताबों को पढ़ना पसंद कर रहे हैं, इसलिए लोगों में किताब पढ़ने जागरूकता लाने के लिए, विप्र कॉलेज के शिक्षा विभाग द्वारा गुरुवार को डूमर तालाब मोहल्ले में किताबों की कुटिया लगाई गई। इस दौरान किताब कुटिया वाचनालय के माध्यम से बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों को किताबों की दुनिया में ले जाया गया। जहां मोहल्ले के नागरिकों ने किताब कुटिया में अपनी पसंद की किताबें पढ़ीं। इस दौरान प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने लोगों को मोबाइल छोड़ किताब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कार्यक्रम में शिक्षा विभाग प्राध्यापक सुमन पांडे, रीना शुक्ला, सारिका त्रिवेदी सहित महाविद्यालय के छात्र उपस्थित रहे।

किताबों में दिखा बचपन

लोगों ने किताबों की कुटिया में बचपन में पढ़ी जाने वाली किताबों को पढ़कर फिर एक बार किताबों में अपना बचपन देखा। तो वहीं बुजुर्गों ने अखंड ज्योति व आध्यात्मिक पत्रिकाएं पढ़ी। महिलाओं ने भी गृहशोभा और सहेली में अपने काम के लेख खोजकर पढ़े। कुटिया में बालभूमि, [illegible] आदि किताबों को रखा गया था जिसे लोगों ने उत्साह के साथ पढ़ा।

'छत्तीसगढ़' 15 नव. '18

किताब कुटिया वाचनालय में किताबें पढ़ी गई

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 15 नवंबर। विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय की शिक्षा विभाग डूमर तालाब मोहल्ले में किताब कुटिया वाचनालय के माध्यम से बच्चों युवाओं और बुजुर्गों को वाचन हेतु किताबें उपलब्ध कराई।

प्राचार्य मेघेश तिवारी ने बताया कि मोबाइल के दौर में इन दिनों लोग किताबों से दूर हो गए हैं। बच्चों की कल्पनाशीलता खत्म होती जा रही है। इस समस्या को ध्यान में रखकर कॉलेज के द्वारा महिलाओं सहित बच्चों को किताबों से जोड़ने के लिए किताब कुटिया वाचनालय का आयोजन किया गया तथा किताब पढ़ने के लिए उन्हें प्रेरित किया गया।

किताब कुटिया वाचनालय के अवसर पर डूमर तालाब मोहल्ले में किताब कुटिया वाचनालय के तहत हर उम्र वर्ग के लिए किताबें उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर बच्चों ने बाल भूमि, चंदा मामा, बाल बोध, नंदन की कहानियों को पढ़ा। महिलाओं ने गृहशोभा, सहेली जैसी पत्रिका पढ़ी। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के प्राध्यापक सुमन पांडेय, रीना शुक्ला, रसिका मालवीय और सारिका त्रिवेदी, बीएड के विद्यार्थी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ 27 नवम्बर '18

विप्र फन फेस्ट में स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ गेम्स

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 27 नवंबर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति संचालित विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में विप्र फन फेस्ट-2018 में विद्यार्थियों और प्रोफेसरों ने स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ रोमांचक गेम का मजा लिया। आनंद मेला का उद्घाटन ज्ञानेश शर्मा अध्यक्ष, विप्र शिक्षण समिति ने किया। विप्र कॉलेज द्वारा इंडोर स्टेडियम में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों ने गुपचुप, दाबेली, कटलेट, ढोकला, भेल, लिट्टी चोखा और गुलाब जामुन जैसे मिठाईयों के साथ छत्तीसगढ़ी व्यंजन फरा, चीला का स्वाद सभी को चखाया।

इस अवसर पर डॉ. उषा दुबे, डॉ. कैलाश शर्मा, विवेक शर्मा और मोहित श्रीवास्तव सहित समस्त प्राध्यापक और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों में फन फेस्ट का आनंद लिया।

हरिभूमि 28 नवम्बर '18

विप्र कॉलेज में हुआ आयोजन

फन फेस्ट में लजीज व्यंजनों के साथ रोमांचक गेम्स का मजा

रायपुर। विप्र कॉलेज में फन फेस्ट 2018 का आयोजन मंगलवार को किया गया, जिसमें टीचर और स्टूडेंट्स ने लजीज व्यंजन के साथ गेम्स का भी आनंद उठाया। फन फेस्ट का उद्घाटन विप्र कॉलेज के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने किया। उन्होंने कहा, स्टूडेंट्स और टीचर ऐसे आयोजनों से तरोताजा होकर आने वाले एग्जाम के लिए अच्छे से तैयार होते है।

छत्तीसगढ़ी व्यंजन का स्वाद भी

कॉलेज के इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस फन फेस्ट में गुपचुप, दाबेली के अलावा चीला, फरा जैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का भी स्वाद फेस्ट में आने वाले लोगों ने चखा। इस मौके पर डॉ.उषा दुबे, डॉ.कैलाश शर्मा, विवेक शर्मा सहित कॉलेज का पूरा स्टाफ मौजूद था।

मार्केटिंग के हुनर दिखाए

फन फेस्ट में लगे स्टॉल में बिक्री बढ़ाने के लिए स्टूडेंट्स ने मार्केटिंग के हुनर भी दिखाए। एक भेल के साथ एक फ्री, पांच गुपचुप के साथ दो फ्री जैसे ऑफर ने लोगों को आकर्षित किया। प्रिंसिपल डॉ.मेघेश तिवारी ने बताया, पांच से सात स्टूडेंट्स ने मिलकर एक स्टॉल लगाया था जो की इनको संगठित होकर काम करने की प्रेरणा देता है।

छत्तीसगढ़ 9 फर० 2019

पुरस्कृत हुए मेधावी विद्यार्थी

रायपुर, 9 फरवरी। विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह वर्ल्ड स्टांग मैन मनोज चोपड़ा के मुख्य आतिथ्य और अध्यक्ष, विप्र शिक्षण समिति ज्ञानेश शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विशेष रूप से संचालक विप्र शिक्षण समिति अविनाश शुक्ला उपस्थित थे। समारोह में सत्र 2018-19 में वार्षिकोत्सव प्रतियोगिता के अंतर्गत सांस्कृतिक, साहित्यिक व खेल कूद स्पर्धा के विजेता और उप विजेता 100 विद्यार्थियों को समितियों ने प्रतीक चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किए।

विप्र कॉलेज सभागार में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्टांग मैन मनोज चौहान ने कहा हम किसी खेल या अन्य क्षेत्र में वर्ल्ड चैम्पियन बनने का सपना देखें, मेहनत करें और खुद को साबित करें, पर उससे पहले दुनिया का सबसे बेहतर इंसान बनें। ज्ञानेश शर्मा ने कहा एक सफल इंसान जो पूरे विश्व में भारत का परचम लहरा चुका है, हमारे शहर का है और आज हमारे बीच है, इससे प्रेरणा प्राप्त कर अनपे रूचि अनुसार अपने क्षेत्र में सफलता पाने के लिए मेहनत करें। प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी के इस अवसर पर वर्षभर हुए वार्षिक प्रतियोगिताओं का विवरण देते हुए बताया कि वार्षिक प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों के प्रतिभा को पहचान कर उन्हें खेल या अन्य विधा में विवि या राज्य स्तर के प्रतियोगिताओं के तैयार करने का प्रयास करते हैं। इसके बाद मुख्य अतिथि श्री चोपड़ा ने व्यक्तिगत और समूह सांस्कृतिक, साहित्यिक और खेलकूद स्पर्धा के विजेता और उपविजेता प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कृत किए। इस असर पर समस्त प्राध्यापक सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ 2 मार्च 2019

पूर्व छात्रों ने एलुमनी मीट में पुरानी यादों को साझा किया

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 2 मार्च। विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय शनिवार को एलुमनी एसोसिएशन द्वारा विप्र कॉलेज एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 23 वर्षों के बाद मिले 1996-97 प्रथम बैच के विद्यार्थियों ने पुरानी यादों को साझा किया। प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी, पूर्व पार्षद नरेंद्र यादव, सचिव अजीत शुक्ला ने अपने विचार व्यक्त किए। विप्र कॉलेज सभागार में समारोह का उद्घाटन करते हुए डॉ. मेघेश तिवारी ने कहा कि पूर्व छात्र संगठन का गठन 5 वर्ष पूर्व किया गया। 5 वर्षों में पूर्व छात्रों के कॉलेज के गतिविधियों में भागीदारी रही। कॉलेज के पूर्व छात्रों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। मिलन समारोह में शामिल नरेंद्र यादव ने सर्व सुविधा युक्त कैंपस को लेकर खुशी जताई। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय कॉलेज को दिया। इस अवसर पर वैभवी हिरीशकर, आकाश शर्म, प्रवेश जोशी, भूपेश शर्मा, दुग्विती वर्मा को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

Session 2019-20

सीनियर्स ने जूनियर्स का किया स्वागत

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 20 सितंबर। विप कॉलेज में बीकॉम फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स को वेलकम पार्टी दी गई। इस मौके पर सेकंड एवं थर्ड ईयर के विद्यार्थियों ने जूनियर्स का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा आप सब इस क्षेत्र के अच्छे महाविद्यालय में प्रवेश लिए हैं और अपने अच्छे परिणाम से इस बात को सार्थक करना आप सब पर निर्भर हैं। विप कॉलेज के सभागार में आयोजित वेलकम पार्टी में जूनियर्स के संग सीनियर्स ने डांस का लुत्फ उठाया। गाने प्रस्तुत किए। इस मौके पर मनोरंजक खेल का दौर चला। सीनियर्स ने जूनियर्स के साथ अपने अनुभव शेयर किए। इस अवसर पर वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक विवेक शर्मा, डॉ आराधना शुक्ला, डॉ सीमा अग्रवाल, उजाला वर्मा एवं निधि ठाकुर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

छत्तीसगढ़ 13 जुलाई 2019

उत्कृष्ट खिलाड़ी विप्र खेल रत्न से सम्मानित

रायपुर, 13 जुलाई। विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में शनिवार को आयोजित खिलाड़ी सम्मान समारोह में राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय स्तर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विप्र खेल रत्न से सम्मानित किया गया।

खिलाड़ी सम्मान समारोह के अवसर पर अखिल भारतीय स्तरीय स्पर्धा में पं. रविवि का प्रतिनिधित्व करने वाले विप्र कॉलेज के 58 खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विप्र शिक्षण समिति अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले खेल रत्न से सम्मानित कोमेश डान्डे को विप्र कॉलेज में नि:शुल्क अध्ययन सुविधा प्रदान करने की घोषणा की।

इस अवसर पर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी नौकायान प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वाती साहू, एशियन सॉफ्टबॉल स्पर्धा में शामिल खिलाड़ी प्रीति वर्मा को विप्र खेल रत्न से सम्मानित किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने महाविद्यालय में उपलब्ध खेल मैदान प्रशिक्षण सुविधा के संदर्भ में जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष 58 विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय की ओर से अखिल भारतीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करना ऐतिहासिक उपलब्धि है। खिलाड़ी सम्मान समारोह का संचालन डॉ. कैलाश शर्मा ने किया। इस अवसर पर विवेक शर्मा, रीना शुक्ला, मोहित श्रीवास्तव सहित समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ 23 जुलाई 2019

विप्र मवि को विकास के लिए एलुमनी एसोसिएशन ने दिए 50 हजार

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 23 जुलाई। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित विप्र महाविद्यालय के पूर्व छात्रों के एलुमनी एसोसिएशन ने विगत दिवस महाविद्यालय के विभिन्न विभाग को 50 हजार राशि के ऑफिस फर्नीचर भेंट किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत शुक्ला ने 11 हजार रुपये राशि का योगदान दिया।

एलुमनी एसोसिएशन द्वारा आयोजित समारोह में शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने की। इस अवसर पर ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि 1996 में समाज के सहयोग से स्थापित महाविद्यालय इस वर्ष 24वां स्थापना दिवस मना रहा है। ऐसे मौके में पूर्व छात्रों द्वारा महाविद्यालय के विकास में उनका योगदान सराहनीय है। प्राचार्य डॉ. मेघेल तिवारी ने इस अवसर पर एलुमनी एसोसिएशन के सहयोग को लेकर आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन एसोसएशन सचिव रीना शुक्ला ने किया। इस अवसर पर एसोसिएशन मनीष तिवारी, विवेक शर्मा, ग्यास अहमद, रेमन सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

दैनिक भास्कर ' 4 अक्टू ' 19

गांधीजी की 150वीं जयंती पर कई आयोजन

स्कूल-कॉलेज व संस्थाओं ने दिए जनहित के संदेश

विप्र महाविद्यालयः 'राष्ट्रपिता के सपनों का भारत बनाए' इस थीम पर विप्र कालेज के छात्रों ने डूमर तालाब से जागरुकता रैली निकाली। आसपास के इलाकों में लोगों को नशामुक्ति, प्लास्टिक मुक्त भारत, बालिका शिक्षा व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने रैली को हरी झंडी

स्टूडेंट्स ने तैयार की पूजन सामग्री, लगाई प्रदर्शनी

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

दिवाली एक ऐसा त्योहार है, जिसे देश भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस पर्व में माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इनकी पूजा के बिना त्योहार अधूरी मानी जाती है। इसी के मद्देनजर विप्र महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा दिवाली से पूर्व लक्ष्मी प्रतिमा, दीये, कलश और अन्य सजावटी सामग्रियों का निर्माण किया गया है। जिसकी प्रदर्शनी और विक्रय का आयोजन महाविद्यालय परिसर में मंगलवार को आयोजित हुआ। इसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों समेत प्राध्यापकों ने भी जमकर खरीदारी की।

इस मौके पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मेघेश तिवारी ने बताते हैं कि नई तालीम पाठ्यक्रम के तहत किया गया यह प्रयास बेहद सराहनीय है। प्रशिक्षार्थी सतत् इस दिशा में कार्य करते चलें और भिन्न भिन्न कौशलों का विकास करें।

साथ ही प्लास्टिक थैलियों का उपयोग न करने का प्रण लेते हुए विक्रित वस्तुओं को पेपर बैग में दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, विभाग प्रभारी डॉ. दिव्या शर्मा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों द्वारा तैयार की हुई पूजन सामग्री की प्रदर्शनी में जुटीं महिलाएं।

नवभारत - 20/11/19

विप्र कॉलेज में लगा आनंद मेला, रोमांचक गेम्स खेले गए

◆ **नवभारत रिपोर्टर। रायपुर.**
www.navabharat.org

विप्र कॉलेज में मंगलवार को कॉलेज के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'विप्र फन फेस्ट - 2019' में आनंद मेले का आयोजन किया गया. इसमें विभिन्न प्रांतों के लजीज व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए थे. साथ ही रोमांचक गेम्स भी विद्यार्थियों ने खेले.

'विप्र फन फेस्ट - 2019' का उद्घाटन अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी, प्रोफेसर ऊषा दुबे ने किया. आनंद मेले में विप्र कॉलेज के सभी विभागों के विद्यार्थियों ने व्यंजनों के स्टॉल लगाये थे. इसमें गुपचुप, पापड़ी, कुल्फी, चाट, इडली, सैंडविच, भेल के साथ चीला, फरा, अनरसा जैसे

विप्र फन फेस्ट-2019

◆ **विभिन्न प्रांतों के लजीज व्यंजनों की महक बिखरी**

इस मौके पर ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को कॉलेज से जोड़ने का जरिया है ताकि तरोताजा होकर उत्साह के साथ परीक्षा की तैयारी कर सकें. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने कहा कि आनंद मेले में फन के साथ सीखने का मौका मिलता है. टीम में कार्य करने का जज्बा पैदा होता है. उद्यमिता का मूल लागत, आगम और लाभ अर्जित करना सीखते हैं. सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक व विद्यार्थियों

रंग-तरंग ● विप्र कॉलेज के वार्षिकोत्सव में हाथ में लाठी लिए युवतियों ने किया नृत्य

छात्राओं ने राउत नाचा में दोहों से जमाया रंग

रायपुर(नईदुनिया प्रतिनिधि)। विप्र महाविद्यालय के वार्षिक स्नेह सम्मेलन रंग-तरंग में छत्तीसगढ़ की परंपरा और संस्कृति देखते ही बन रही थी। विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में प्रस्तुति देकर दर्शकों को दांतों तले अंगुली दबाने पर मजबूर कर दिया। दर्शक उस वक्त ज्यादा उत्साहित हो गए, जब चश्मा पहने, हाथों में लाठी लिए युवतियों ने राउत नाचा की प्रस्तुति दी। इसके बाद लड़कों ने मुजरा नृत्य पेश कर तालियां बटोरीं।

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित विप्र महाविद्यालय में शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, घूमर, भांगड़ा और डांडिया नृत्य पेश किए। मानसी एंड ग्रुप ने राउत नाचा से कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। छात्रों ने राउत नाचा में एक से बढ़कर एक दोहे सुनाकर दर्शकों को लोटपोट कर दिया। गांव की याद दिला दी।

सफलता और उपलब्धि अनुशासन की नींव पर : कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम के लोक कर्म विभागाध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा थे। उन्होंने कहा कि वार्षिकोत्सव विद्यार्थियों का है। उत्साह के साथ भागीदारी देकर इसे यादगार बनाएं और अनुशासन कायम रखें। सफलता और उपलब्धि अनुशासन की नींव पर टिकी है। अध्ययन-अध्यापन, खेल में भी विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को अनुशासित रहना चाहिए। इस अवसर पर किरण पुराणिक, आनंद पांडे, प्राचार्य मेघेश तिवारी समेत प्राध्यापक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

डांस की प्रस्तुति देते बालीवुड ● नईदुनिया

विप्र कॉलेज के वार्षिक उत्सव में राउत नाचा पेश करती मानसी। (बाएं से दूसरी) के साथ उत्साहित ग्रुप। ● नईदुनिया

तीन घंटे दी मनमोहक प्रस्तुति

छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति इतनी मनमोहक थी कि तीन घंटे तक दर्शक उनके नृत्य, गीतों का आनंद लेते रहे। छात्रों ने उन्हें कुर्सी से हिलने नहीं दिया। प्रियांशु ग्रुप ने राजस्थानी नृत्य पर राजस्थान की संस्कृति को मंच पर उतार दिया। वहीं शालिनी ने ओरी चिरइया गीत पर डांस की प्रस्तुति देकर भाव विभोर कर दिया।

तमाम पक्षियों के अलावा वन्य जीवों को

विद्यार्थी उपस्थित रहे।

16-नव-19

बच्चों के साथ बड़ों ने पढ़ी महापुरुषों की जीवनी

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

महात्मा गांधी के 150वें जयंती वर्ष के अवसर पर कुटिया वाचनालय की शुरुआत की गई। डूमर तालाब स्थित बस्ती में विप्र कॉलेज द्वारा आयोजित कुटिया में नागरिकों को उनकी पसंद की पुस्तकें पढ़ने के लिए दी गई। यहां बच्चों, युवा, बुजुर्गों के साथ महिलाओं के लिए भी किताबें हैं। बच्चों ने बाल भूमि, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद समेत कई महापुरुषों की जीवनी और संदेश की छोटी-छोटी पुस्तकें पढ़ीं। बुजुर्गों ने अखंड रामचरित मानस समेत आध्यात्मिक पत्रिकाएं पढ़ीं। महिलाओं ने गृहशोभा, सहेली के साथ प्रेरक प्रसंग और आत्म विकास पत्रिकाओं में रुचि दिखाई। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बच्चों और महिलाओं को किताबों से दोस्ती करने का संदेश देते हुए कहा कि महात्मा गांधी की दृढ़ इच्छाशक्ति और सत्यनिष्ठा के आगे पूरी दुनिया नतमस्तक है।

किताब कुटिया वाचनालय में पुस्तक पढ़ते बच्चे ● सौ. विप्र कॉलेज

विजेता विद्यार्थी सम्मानित

रायपुर, 19 फरवरी। विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में विगत दिवस पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बृजेश चंद्र मिश्रा रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्ञानेश शर्मा अध्यक्ष, लोक कर्म विभाग, नगर पालिक निगम ने किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक एवं खेल स्पर्धा के विजेता और उप विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी ने सत्र 2019-20 के कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथियों द्वारा नृत्य, गीत, चित्रकला, रंगोली मेहंदी और पोस्टर प्रतियोगिता, खेल के अंतर्गत खो-खो, वालीबाल, बास्केटबाल, कबड्डी रेस ,लंबी कूद, ऊंची कूद और गोला फेक स्पर्धा के विजेता और उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्राध्यापकगण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ - 20 दिस० 2019

राज्य स्तरीय टीएलएम प्रतियोगिता में विप्र महाविद्यालय रहा विजेता

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 20 दिसंबर। विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर के शिक्षा विभाग द्वारा राज्य स्तरीय राज्य स्तरीय टीएलएम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों से बीएड के विद्यार्थियों ने वॉटर हार्वेस्टिंग, दस्तकारी, जल संरक्षण, सौरमंडल, गति के प्रकार ,हाइड्रोलिक सिस्टम, पयावरण सरक्षण, आदि विषयों से संबंधित चलित मॉडल का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने कहा इस प्रकार की गतिविधियों से परीक्षार्थी सृजनात्मक कार्य करने हेतु प्रेरित होते हैं। निर्णायक मंडल में कुसुम साहू प्राचार्य एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल डॉ इति बनर्जी प्राध्यापक दुर्गा महाविद्यालय, सुश्री प्रीति सिंह प्राध्यापक रविवि शामिल रहे। प्रतियोगिता में प्रथम रेन वाटर हार्वेस्टिंग विप्र महाविद्यालय, द्वितीय हाइड्रोलिक सिस्टम रविवि, तृतीय दस्तकारी कार्य रामकृष्ण महाविद्यालय रहे। इस अवसर पर डॉ दिव्या शर्मा सहित समस्त प्राध्यापक गण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विप्र कॉलेज में 24वां वार्षिक स्नेह सम्मेलन 'रंग तरंग'

लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुतियों ने बांधा समां

नवभारत फोटो

नवभारत रिपोर्टर | रायपुर.
www.navabharat.org

विप्र कॉलेज का वार्षिक स्नेह सम्मेलन 'रंग तरंग' का आयोजन शुक्रवार को किया गया. जिसमें छात्र- छात्राओं ने छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य, पंथी नृत्य, राउत नाचा के साथ घूमर, भांगड़ा और डांडिया की शानदार प्रस्तुति देकर समां बांधा. समारोह का आरंभ मुख्य अतिथि अध्यक्ष लोक कर्म विभाग नगर निगम रायपुर ज्ञानेश शर्मा, विशिष्ट अतिथि किरण पुराणिक और अध्यक्ष आनंद पांडे की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की पूजा से हुआ.

इसके पश्चात विप्र कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने गणेश वंदना प्रस्तुत की. स्वागत गीत एमपीईडी के नमो ग्रुप ने छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य से समां बांधा. बी - ईडी के प्रियांशु ग्रुप ने राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत कर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया. शालिनी ने ओ री चिरैया.. गीत पर भाव विभोर करने वाली प्रस्तुति दी. इसके बाद राउत नाचा ने सबको छत्तीसगढ़ की दीपावली की याद दिला दी. भांगड़ा ने पंजाब की खुशबू बिखेरी. डांडिया नृत्य ने नवरात्रि पर्व का माहौल बनाया. 3 घंटे तक मनमोहक नृत्यों और सुमधुर गीतों ने दर्शकों को कुर्सी से हिलने नहीं दिया.

इससे पूर्व मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि वार्षिकोत्सव में विद्यार्थी अपनी भागीदारी से यादगार बनाएं और अनुशासन कायम रखें. सफलता और उपलब्धि अनुशासन की नींव पर टिकी है. अध्ययन-अध्यापन से लेकर उत्साह और खेल में भी विद्यार्थियों और प्राध्यापकों दोनों को अनुशासित होना चाहिए. किरण पुराणिक ने परिश्रम का पाठ पढ़ाते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी. डॉ. उषा दुबे ने भी विद्यार्थी जीवन को सफल बनाकर यादगार बनाने की सलाह दी. प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने वर्ष भर के महाविद्यालय के कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए बधाई दी. समारोह के समापन पर आभार व्यक्त छात्रसंघ अध्यक्ष कुमारी अंजली दुबे ने किया. इस अवसर पर समस्त प्राध्यापकों सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं उनके पालक उपस्थित थे.

विदाई समारोह ● अतिथियों ने कहा- यहां से विदा लेने वाले छात्र-छात्राओं की नींव मजबूत हो गई है

जूनियर्स ने ठुमके लगा कर दी विदाई, आंसू भी छलक उठे

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। लाउड म्यूजिक और हार्ड बीट पर जूनियर्स संग सीनियर्स ने जमकर ठुमके लगाए। नए-पुराने गानों के साथ रोमांटिक गानों पर भी स्टूडेंट्स थिरकते नजर आए। कोई अपने सीनियर्स के साथ सेल्फी ले रहा था तो कहीं किसी की आंखों से आंसू भी छलक रहे थे।

कुछ इसी तरह का नजारा शहर के कॉलेजों में आयोजित विदाई समारोह में देखने को मिला, जहां जूनियर्स ने अपने सीनियर्स को पारंपरिक तौर पर विदाई दी।

दरअसल राजधानी रायपुर के प्रगति और विप्र कॉलेज में फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। इस मौके पर जूनियर्स ने सिंगिंग और डांसिंग से अपने सीनियर्स का मनोरंजन किया। फेयरवेल में स्टूडेंट्स बॉलीवुड के सॉन्ग [illegible] कलाइयां रे..., ढीले वाले बाबू मेरा [illegible]..., ओ [illegible]... जैसे सॉन्ग पर डांस कर जमकर ठुमका लगाते नजर आए। वहीं कॉलेज के पलों को याद कर सीनियर्स की आंख से आंसू छलकने लगे। समारोह में पहुंचे अतिथियों ने कहा कि यहां से विदा लेने वाले छात्रों की नींव मजबूत हो गई है। अब हम पर आपको भव्य इमारत खड़ी करनी है।

विप्र कॉलेज में आयोजित विदाई समारोह में जूनियर्स और सीनियर्स एंजॉय करते हुए। ● विप्र कॉलेज

माता-पिता और शिक्षकों ने बीज बोया फिर उसे वर्षों तक सींचा है अब वृक्ष बनने के बाद फल ना आए तो दुख होगा। आप फलो फूलो परिवार और समाज के साथ राष्ट्र के लिए उपयोगी बनने जैसी बातें कहीं गईं।

रैम्पवॉक कर बिखेरे जलवे

रेड एंड ब्लैक के ब्लैक कॉम्बिनेशन में सज धज कर जब स्टूडेंट्स स्टेज पर रैम्पवॉक किया तो हॉल में मौजूद जूनियर्स झूमने पर मजबूर हो गए। डीजे की एक एक बीट के साथ रैम्पवॉक कर जमकर जलवा बिखेरा। इस मौके पर विप्र कॉलेज से मिस फेयरवेल प्रिया और मिस्टर फेयरवेल वायु कुमरकर को चुना गया। वहीं प्रगति कॉलेज से मिस्टर फेयरवेल शुभम ठाकुर और मिस फेयरवेल गरिमा पाण्डेय रहीं।

प्रगति कॉलेज में आयोजित विदाई समारोह में रैम्पवॉक करते रिषभ अग्रवाल और शालीन परवीन। ● नईदुनिया

प्राप्ति मिस फेयरवेल और मिस्टर फेयरवेल बने बलिराम

विप्र महाविद्यालय में विदाई समारोह

रायपुर। विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान संकाय का फेयरवेल सोमवार को रखा गया। बीएससी एवं बीसीए प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को मनोरंजक अंदाज में सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए भावभीनी विदाई दी। प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह एक कोर्स पूर्ण करने की विदाई है, पर कोई भी विद्यार्थी महाविद्यालय से कभी विदा नहीं हो सकता। विद्यार्थी को कॉलेज से सदैव जुड़े रहना चाहिए। महाविद्यालय के विकास और अपने अनुभव से यहां के विद्यार्थी के अध्ययन अध्यापन में योगदान दे सकता है, सक्रिय भागीदारी का निर्वहन कर सकता है।

बसंती की साड़ी और दूसरे खेलों ने हंसाया

इसके बाद कंप्यूटर विज्ञान के सीनियर्स ने अपने अनुभव शेयर किए। खट्टे-मीठे यादों के साथ उन्होंने जूनियर्स को सलाह दी कि अध्ययन के लिए महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाना चाहिए। इसके बाद डांस और गाने का दौर चला। सीनियर्स ने जूनियर्स के मांग पर डांस और गाने पेश किए। म्यूजिकल चेयर, चिट उठाना, बसंती की साड़ी और पेपर डांस जैसे मनोरंजक गेम से सब हंसते-हंसते लोटपोट हो गए। प्रदर्शन के आधार पर मिस फेयरवेल प्राप्ति मढरिया और मिस्टर फेयरवेल बलिराम सिंह को चुना गया। बीएससी से और बीसीए से मिस फेयरवेल टाकेश्वरी साहू और मिस्टर फेयरवेल शुभम यादव को चुना गया। अंत में सभी सीनियर्स को गिफ्ट देकर विदाई दी गई। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापकों सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

मिलन समारोह में पूर्व छात्रों ने पुरानी यादों को साझा किया

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 27 फरवरी। विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में विगत दिवस एलुमनी एसोसिएशन द्वारा भूतपूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जुटे 60 भूतपूर्व छात्रों ने विप्र कॉलेज के समग्र विकास में सहभागिता का संकल्प लिया। इस अवसर पर अन्य पूर्व छात्रों ने पुरानी यादों को साझा किया तथा प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी एवं प्रभारी रीना शुक्ला ने उल्लेखनीय योगदान के लिए पूर्व छात्र भीष्म साहू, यतींद्र दुबे अरविंद एवं तृप्ति पांडे को सम्मानित किया। इस अवसर पर एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत शुक्ला ने वर्ष 2019-2020

में कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते हुए रजत जयंती वर्ष में पूरे वर्ष कार्यक्रम आयोजन की योजना का ब्यौरा दिया।

इस अवसर पर समस्त प्रध्यापकों सहित संतोष सेन हरीश कुमार गिरीश कुमार बिना सहारे विंध्या पटेल ग्यास अहमद रेमन साहू संजीव और सचिन सहित बड़ी संख्या में भूतपूर्व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विप्र कॉलेज में 'घर में योग परिवार के साथ योग'

अभियान के अंतर्गत ऑनलाइन योगा अभ्यास

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

रायपुर, 20 जून। विप्र महाविद्यालय मे घर में योग परिवार के साथ योग अभियान के अंतर्गत कोरोना महामारी के कारण शासन के निर्देशों को पूर्णता ध्यान में रखते हुए इस वर्ष छठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को ऑनलाइन योगा अभ्यास आयोजित किया गया है।

सभी साधक 21 जून को प्रात: 9 से 10 बजे ऑनलाइन ऐप के माध्यम से विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय से जुड़कर योगाभ्यास करेंगे। योग साधक संजय शर्मा प्रमुख रूप से शामिल होंगे।

Session 2020-21

वेबनार में विशेषज्ञों ने बताया

आयुर्वेद और योग से स्वस्थ रहेंगे शरीर व मन-मस्तिष्क

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ◆ कोरोना महामारी से सारा विश्व प्रभावित हुआ है। इससे खेल और खिलाड़ी भी अछूते नहीं रहे। उनके अभ्यास में रुकावट आने के कारण और मानसिक स्थिति खराब होने से क्षमता और ऊर्जा में कमी आई। उन्हें अपनी उर्जा और क्षमता पुनः हासिल करने के लिए सकारात्मक विचार के साथ निरंतर अभ्यास जारी रखना होगा। यह कहा डॉ. संजय शुक्ला ने। वे विप्र कॉलेज में आयोजित वेबिनार को सम्बोधित कर रहे थे। विषय था- कोरोना महामारी के दौरान और बाद की स्थिति में खिलाड़ियों की सामान्य एवं विशिष्ट प्रशिक्षण पद्धति तथा आहार। आगे कहा कि मन के हारे हार है और मन के जीते जीत।

इसलिए शरीर के साथ मन को भी स्वस्थ रखना होगा। इसमें आयुर्वेदिक और योग भी सहायक हो सकता है। योग, प्राणायाम ,ध्यान के साथ पौष्टिक आहार और नियमित दिनचर्या खिलाड़ी के साथ एक सामान्य व्यक्ति को भी अपनी दक्षता हासिल करने में सहायता प्रदान करता है। खिलाड़ी कृष्णा साहू ने कहा, अभी नकारात्मक का दौर है।

फिजिकली एक्टिव रहने वालों में खतरा कम

स्वर्णिम गुजरात खेल विश्वविद्यालय गांधीनगर गुजरात के सहायक प्राध्यापक रविंद्र सिंह राजपुरोहित ने फिजिकल एक्टिविटीज एंड कोविड-19 विषय पर कहा कि कोरोना महामारी से मरने वाले में 80% व्यक्ति वह हैं, जो निष्क्रिय रहते थे । फिजिकली एक्टिव रहने वाले व्यक्तियों में खतरा कम दिखा। इसलिए शारीरिक सक्रियता, फिजिकल एक्टिविटी आवश्यक है।

इस स्थिति में मनोबल को बनाए रखना सबसे ज्यादा जरूरी है। इसके लिए योग और ध्यान का नियमित अभ्यास करते हुए घर में अपने खेल का नियमित अभ्यास करें। आहार के साथ नियमित दिनचर्या के लिए टाइम टेबल बना ले। जीवनशैली को संतुलित रखें।

पत्रिका PLUS 03 पत्रिका
रायपुर, शनिवार, 19 जून, 2021

ऑनलाइन एजुकेशन सिस्टम पर वेबिनार

वर्चुअल कॉलेज-यूनिवर्सिटी और रिसर्च सेंटर है आज की जरूरत

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ◆ कोरोना की वजह से ऑनलाइन एजुकेशन का ट्रेंड चल पड़ा है। हालांकि इसमें कुछ दिक्कतें भी हैं, जिसे दूर करने नए आईडियाज पर मंथन किया जा रहा है। इसी सोच को लेकर विप्र कॉलेज में ऑनलाइन एजुकेशन सिस्टम पर वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। दूसरे दिन डॉ. वी.पी. जोशीथ सहायक प्रोफेसर डीओई, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षण की पद्धति विषय पर कहा कि छात्रों की क्षमता के मुताबिक शिक्षा दी जानी चाहिए। ऑनलाइन शिक्षा के लिए वर्चुअल रिसर्च सेंटर, वर्चुअल कॉलेज-यूनिवर्सिटी की स्थापना आज की जरूरत है।

वर्चुअल क्लासरूम के लिए टूल्स का सही ढंग से उपयोग भी किया जाना चाहिए।

आज इनके लेक्चर: डॉ. के. थियागु स्कूल ऑफ एजुकेशन में सहायक प्रोफेसर, केंद्रीय विश्वविद्यालय केरल डिजिटल नागरिकता पर व्याख्यान देंगे। उर्मिला महेंद्र हाडेकर, व्याख्याता, क्षेत्रीय शैक्षणिक प्राधिकरण राज्य विज्ञान

रोजगारपरक शिक्षा के मुताबिक हों पाठ्यक्रम

प्रभाकर पुन्नादकर सहायक प्रोफेसर, एनएसीएस कॉलेज, वर्धा ने तालीम ऑनलाइन मोड के माध्यम से: चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा, सभी को समान रूप से अधिकार प्राप्त समाज व बनाने की शिक्षा होनी चाहिए। आज रोजगारपरक शिक्षा की दि हिसाब से पाठ्यक्रम तैयार किए जाने की जरूरत है।

शिक्षा संस्थान नागपुर ऑनल शिक्षण- चुनौतियां और संभाव विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे

3 पत्रिका
रायपुर, शुक्रवार, 11 जून, 2021

वेबिनार में एक्सपर्ट ने जताई उम्मीद

2025 के बाद डाटा एनालिस्ट, डाटा साइंटिस्ट और क्लाउड कंप्यूटिंग फील्ड में आएगा बूम

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर◆ कोविड-19 के बाद लगभग 8.5 करोड़ नौकरियां चली गईं। दुनिया डिजिटल मोड पर आ गई। ऐसा अनुमान है कि 2025 तक 44% नौकरियां टैलेंट के आधार पर, 40% नौकरियां वर्क फ्रॉम होम पर और 91% प्रतिशत नौकरियां ग्लोबल बिजनेस के मुताबिक मिलेंगी। यह कहा डॉ. पीके पांडेय संचालक एलसीईटी ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस ने। वे विप्र कॉलेज में करियर इन डिजिटल वर्ल्ड एंड रोल ऑफ टेक्नोलॉजी विषय पर तीन दिनी नेशनल वेबिनार को सम्बोधित कर रहे थे। बोले- 2025 के बाद डाटा एनालिस्ट, डाटा साइंटिस्ट ,क्लाउड कंप्यूटिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आदि के क्षेत्र में नौकरियां होंगी। जिसके लिए लोगों के पास एनालिटिकल थिंकिंग, कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम सॉल्विंग की क्वालिटी होनी चाहिए।

डिजिटलाइजेशन गांवों तक पहुंचे तभी डिजिटल इंडिया कहेंगे

चीफ गेस्ट रविवि के पूर्व कुलपति प्रो. एसके पांडेय ने कहा, पाषाण युग से कंप्यूटर युग तक पहुंच गए हैं। इस महामारी ने हम सब को डिजिटल रूप से परिवर्तित कर दिया है। मैंने पहली बार मुंबई में डिजिटल इक्विपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा निर्मित एक कमरे के आकार का कंप्यूटर देखा था। आज

जेब में सिमट के रख दिया है। आने वाली पीढ़ियां तो शायद कैमरा भूल जाएंगी क्योंकि मोबाइल में ही अच्छी क्वालिटी के कैमरे आने लगे हैं। आज जीपीएस सिस्टम से हर व्यक्ति के लोकेशन को पता लगाया जा सकता है। यदि हमारा डिजिटलाइजेशन गांव-गांव तक पहुंचे तभी हम उसे डिजिटल इंडिया कहेंगे।

इफेक्टिव कम्युनिकेशन से बनेगी बात

प्रथम सत्र में विषय विशेषज्ञ शासकीय हमीदिया कॉलेज भोपाल के डॉ. विनीता सिंग चौधरी ने इफेक्टिव कम्युनिकेशन इन डिजिटल वर्ल्ड विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा, बात का तरीका ऐसा हो कि सामने वाले को पूरी तरह समझ आए। तभी आपके कहने का कोई औचित्य है। उन्होंने कम्युनिकेशन के अलग-अलग फॉर्म जैसे रिटर्न फॉर्म ,ओरल फॉर्म और नॉन वर्बल फॉर्म के बारे में बताया। इसके बाद विषय विशेषज्ञ छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश से डॉ. अमर सिंग ने डिटेल्स ऑल वर्ल्ड का उपयोग करके पर्सनालिटी डेवलपमेंट के विधियों पर प्रकाश डाला। सूचनाओं के स्रोत का उपयोग करके हमेशा अपडेट

'पत्रिका' 4 जून 2021

विप्र कॉलेज के वेबिनार में कहा

सारे कार्यों से निवृत होकर नैचुरोपैथी संस्थान खोलने का है सपना : राज्यपाल

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर • कोरोना काल में कोरोना संक्रमण की अपेक्षा लोग उसके भय से ज्यादा परेशान और मानसिक अवसाद से पीड़ित दिखे। जिससे उनका मनोबल कम होता दिखा। ऐसी समस्या का सामना करने के लिए सबसे प्रभावशाली हथियार है योग। यह हमारी प्राचीन विद्या है, इसे अपनाकर प्राचीन काल में ऋषियों ने ऐसी रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा की थी जो बड़ी से बड़ी बीमारी उसे छू नहीं पाई थी। यह कहना है राज्यपाल अनुसुइया उइके का। वे विप्र कॉलेज में आयोजित वेबिनार को संबोधित कर रहीं थीं। आगे कहा, जब अपने अन्य कार्यों से निवृत्त हो

जाऊंगी तो अपने गृह जिले में एक योग एवं नैचुरोपैथी संस्थान प्रारंभ करूंगी। वास्तव में प्राकृतिक तरीके से जीवन जीने और योग करने से शरीर में रोग प्रतिरोग क्षमता विकसित होती है। साथ ही सकारात्मक उर्जा भी मिलती है।

मन को रखें मजबूत, अज्ञात भय से न डरें

कोरोना के इस लहर के बाद और अन्य लहर आने की आशंका जताई जा रही है परंतु मेरा आग्रह है कि हम अपने मन को मजबूत रखें और किसी भी अज्ञात भय से ग्रसित न हों। यदि हम पर्याप्त सावधानी रखेंगे तो तीसरी लहर या अन्य लहर को अवश्य रोक पाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भोजन से शरीर पुष्ट होता है उसी प्रकार प्राणायाम से हमारे आचार-विचार, व्यवहार, व्यक्तित्व सभी प्रभावित होते हैं। निश्चित ही हम कोरोना को हराने में सफल होंगे। वेबिनार को रविवि के कुलपति केशरी लाल वर्मा, छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने भी संबोधित किया।

राज्यपाल विप्र महाविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में हुईं शामिल

सकारात्मक सोच रखने वालों का मन रहता है शांत और बीमारियों से दूर

हरिभूमि न्यूज ›› रायपुर

सकारात्मक सोच रखने वालों का मन शांत रहता है और बीमारियों से भी दूर रहते हैं, अतः मेरा आग्रह है कि सकारात्मक रहें, मन को मजबूत रखें। राज्यपाल अनुसुईया उइके यहां विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि हम भागम भाग की जिंदगी में एक प्राकृतिक जीवन जीना भूल गए थे, लेकिन कोरोना ने हमें फिर से प्रकृति के अनुकूल जीना और परिवार के साथ समय व्यतीत करना इत्यादि सिखा दिया। राज्यपाल ने संस्थान को उनकी उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल ने कहा कि इस काल में कोरोना संक्रमण की अपेक्षा उसके भय से ज्यादा परेशान दिखे और मानसिक अवसाद से पीड़ित दिखे। इससे उनका मनोबल कम होता दिखा। ऐसी समस्या का सामना करने के लिए सबसे प्रभावशाली हथियार है वह है योग। यह हमारी प्राचीन विद्या है, इसे अपनाकर प्राचीनकाल में ऋषियों ने ऐसी रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा की थी, जो बड़ी से बड़ी बीमारी उसे छू नहीं पाई थी।

खास बातें

- राज्यपाल ने संस्थान को उनकी उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं दी
- कहा- योग की महत्ता से सभी हो चुके परिचित

मन और आत्मा का सामंजस्य पूर्ण विकास ही योग

राज्यपाल ने कहा कि शरीर, मन एवं आत्मा का सामंजस्य पूर्ण विकास ही योग है। प्राचीन काल में योग विद्या को जीवन का अनिवार्य अंग माना जाता था, उसी प्रकार वर्तमान में इस जीवनदायिनी विद्या की अनुभूति आमजन को हुई। योग की महत्ता से सभी परिचित हो चुके हैं। यह वास्तव में शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमी होने पर अधिक प्रभावी होता है। अतः हमें रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के उपाय करने होंगे। इसके विकल्प के रूप में योग ही उत्तम और सरल होते हैं, क्योंकि शरीर, मन एवं आत्मा का सामंजस्यपूर्ण विकास ही योग है। यह केवल व्यायाम नहीं, अपितु स्वयं के साथ विश्व एवं प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है।

प्राणायाम से आचार विचार होते हैं प्रभावित

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भोजन से शरीर पुष्ट होता है, उसी प्रकार प्राणायाम से हमारे आचार विचार, व्यवहार, व्यक्तित्व सभी प्रभावित होते हैं। अतः मेरा आग्रह है कि प्राणायाम और ध्यान को नियमित जीवन में अपनाएं। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होगी, मन शांत रहेगा और सकारात्मक भाव से परिपूर्ण रहेगा। निश्चित ही हम कोरोना को हराने में सफल होंगे। इस वेबिनार में पं. रविशंकर विश्वविद्यालय के कुलपति श्री केशरी लाल वर्मा, छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा, विप्र महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने अपना संबोधन दिया। इस वेबिनार में देश-विदेश से बड़ी संख्या में प्रतिभागी शामिल थे।

सकारात्मक ऊर्जा मिलती है

मेरा यह सपना है, जब अपने अन्य कार्यों से निवृत्त हो जाऊंगी, तो अपने गृह जिले में एक योग एवं नैचुरोपैथी संस्थान प्रारंभ करूंगी। वास्तव में प्राकृतिक तरीके से जीवन जीने और योग करने से शरीर में रोग प्रतिरोध क्षमता विकसित होती है। साथ ही सकारात्मक ऊर्जा भी मिलती है। कोरोना के इस लहर के बाद और अन्य लहर आने की आशंका जताई जा रही है, परंतु मेरा आग्रह है कि हम अपने मन को मजबूत रखें और किसी भी अज्ञात भय से ग्रसित न हों। यदि हम पर्याप्त सावधानी रखेंगे, तो तीसरी लहर या अन्य लहर को अवश्य रोक पाएंगे। शासन द्वारा ऐसे लहर को रोकने या सामना करने के लिए पर्याप्त तैयारी की जा रही है।

परीक्षा को परीक्षा की दृष्टि से लेना विद्यार्थियों के हित में-डॉ. पांडेय

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

रायपुर, 29 मई। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन द्वारा संचालित विप्र कला ,वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में रजत जयंती वर्ष पर आईक्यू एसी के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय वेबीनार में ऑनलाइन परीक्षा के संदर्भ में विद्यार्थियों के शंका और समस्याओं का समाधान करते हुए डॉ. गिरीश कांत पांडेय (कुलसचिव पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय

रायपुर) ने कहा कि परीक्षा के लिए विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका परीक्षा केंद्र से प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा केंद्र दूर होने पर या किसी कारण से ना जा पाने की स्थिति में उत्तर पुस्तिका स्वयं बना सकते हैं ,उत्तर पुस्तिका 32 पेज से ना अधिक होना चाहिए ना कम ।और उत्तर पुस्तिका का मुख्य पृष्ठ का प्रिंट विश्वविद्यालय ने जारी कर दिया है। वह प्रिंट करा सकते हैं ,प्रिंट ना कराने की स्थिति में उसे हाथ से भी बनाया जा सकता है। परीक्षा टाइम टेबल घोषित कर दिया गया है। जिस दिन जिस विषय का परीक्षा है ,उस दिन प्रश्नपत्र विश्वविद्यालय के वेबसाइट में, महाविद्यालय के वेबसाइट या व्हाट्सएप ग्रुप में विद्यार्थियों को मिल जाएगा। विद्यार्थी निर्धारित तिथि को ही 3 घंटे के निर्धारित समय में ही उत्तर लिखने का प्रयास करें । विद्यार्थी परीक्षा को परीक्षा की दृष्टि में लेंगे, तो यह उनके हित में है ।

उत्तर पुस्तिका का फोटो कॉपी या कंप्यूटर से टाइप किया हुआ मान्य नहीं होगा। विद्यार्थी को स्वयं हस्तलिखित उत्तर पुस्तिका ही जमा करना है। वह अगर दूसरे से उत्तर पुस्तिका लिखाता है तो नकल प्रकरण का केस बन सकता है ।परीक्षा समाप्ति पर 5 दिन के अंदर उत्तर पुस्तिका आपको परीक्षा केंद्र में जमा करना है। ज्यादा अच्छा है , परीक्षा समाप्ति के दूसरे दिन ही आप उत्तर पुस्तिका जमा करना प्रारंभ कर दें । अगर परीक्षा केंद्र तक आप पहुंच नहीं पा रहे हैं तो डाक द्वारा ,स्पीड पोस्ट द्वारा आप उत्तर पुस्तिका भेज सकते हैं।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Rajdhani - 23 May 2021 - 23raj2

टीकाकरण और मास्क सुरक्षा कवच : डॉ. मिश्रा

आयोजन

- कोविड-19 रोकथाम पर विप्र कॉलेज में वेबिनार

• नवभारत ब्यूरो। रायपुर.
www.navabharat.news

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन द्वारा संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में टीकाकरण के महत्व व कोविड-19 रोकथाम के उपाय विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया. इसमें महामारी नियंत्रक छत्तीसगढ़ शासन डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि टीकाकरण और मास्क सुरक्षा कवच के साथ शारीरिक दूरी और सैनिटाइजर कोरोना वायरस से बचाव के सरल उपाय हैं. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी, शिक्षक, विद्यार्थियों की उपस्थिति में डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी है. पर इससे बचाव के उपाय सरल हैं, क्योंकि यह हम सब व्यक्ति कर सकते हैं. लापरवाही के कारण इसने विकराल रूप धारण कर लिया है. इसलिए अभी भी समय है कि हम इससे बचाव के उपाय को अपनाएं और टीकाकरण को महत्व दें. टीकाकरण से अपने को सुरक्षित कर सकते हैं. इसलिए जो भी वैक्सीन उपलब्ध है वह अच्छा है, उसे लगवाएं क्योंकि दूसरी लहर के बाद तीसरी लहर की भी संभावना है.

टूनामट आयाजन म भारत सरकार द्वारा जारा

एलुमनी एसोसिएशन ने विप्र कॉलेज को भेंट किया कंप्यूटर एसेसरीज

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

रायपुर 24 फरवरी। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय के एलुमनी एसोसिएशन ने आयोजित सादे समारोह में प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी से मुलाकात करके कंप्यूटर एसेसरीज भेंट किया। कंप्यूटर एसेसरीज में प्रिंटर, स्कैनर भी शामिल है।

इस अवसर पर भूतपूर्व छात्रों ने महाविद्यालय के विकास एवं अध्ययन अध्यापन में एलुमनी एसोसिएशन की भविष्य में भी सक्रिय भागीदारी के संकल्प की भी बात की।

कार्यक्रम में एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत शुक्ला, प्रभारी प्राध्यापक रीना शुक्ला, मनीष तिवारी, ग्यास अहमद एवं रेमन साहू सहित बड़ी संख्या में भूतपूर्व छात्र उपस्थित थे।

विप्र कॉलेज में तीन दिवसीय इंटरनेशनल वेबीनार 6 से

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

रायपुर, 3 अगस्त। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र महाविद्यालय में शिक्षा विभाग द्वारा तीन दिवसीय इंटरनेशनल बेबीनार का आयोजन किया जा रहा है। 6 से 8 अगस्त तक कोरोना महामारी के दौरान शिक्षार्थियों के लिए तनाव रहित वातावरण के निर्माण में शिक्षक की भूमिका विषय पर देश-विदेश के विषय विशेषज्ञ जानकारी प्रदान करेंगे।

उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि 6 अगस्त को वेबीनार में मुख्य वक्ता प्रोफेसर राजीव चौधरी अधिष्ठाता छात्र कल्याण, विभागाध्यक्ष, विधि अध्ययन शाला, रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर एवं तकनीकी सत्र वक्ता प्रोफेसर सूरू जमल बॉस डीन, अनुसंधान एवं नवाचार, अर्थशास्त्र एवं प्रबंध विज्ञान संकाय, दक्षिण अफ्रीका होंगे।

द्वितीय दिवस 7 अगस्त को डॉ. राकेश तोमर प्राध्यापक शारीरिक शिक्षा विभाग, किंग फाहड विवि सऊदी अरब एवं रंजीत सिंह यादव आपराधिक अधिवक्ता रेवाड़ी हरियाणा के व्याख्यान होंगे। अंतिम दिवस 8 अगस्त को माइकल क्रो सहज योग प्रशिक्षक जर्मनी एवं डॉ. निथीन सान्याल वैज्ञानिक आयरलैंड के व्याख्यान से प्रतिभागी लाभान्वित होंगे। सामयिक विषय पर आयोजित इंटरनेशनल वेबीनार में देश के विभिन्न प्रांतों सहित अफ्रीका, जर्मनी, आयरलैंड एवं सऊदी अरब सहित अन्य देशों से शोधार्थी और प्रध्यापकों ने पंजीयन कराया है।

8 जुलाई 2020

निरोगी काया प्रथम सुख है- डॉ. इंदुभवानंद महाराज

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

रायपुर, 8 जुलाई। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति संचालित विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में कोविड-19 महामारी में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए अष्टांग योग विषय पर तीन दिवसीय नेशनल वेबीनार का आयोजन किया गया। उद्घाटन करते हुए स्वामी डॉ इंदुभवानंद महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा आज तक ऐसे रोग से पूरा विश्व ग्रसित है जिसकी कोई औषधि नहीं है। सब भारत की ओर देख रहे हैं, जहां ऋषि परंपरा का अनुसरण करके हम निरोगी रह सकते हैं।

प्रथम धर्म स्वस्थ रहना है। निरोगी काया प्रथम सुख है। स्वस्थ व्यक्ति का लक्षण वात, पित्त, कफ में संतुलन है। जठा अग्नि सम हो, धातु की समानता हो, अवशिष्ट पदार्थ शरीर से बाहर निकले, यह बाहरी स्वास्थ्य है। आत्मा, मन, इंद्रियों का संयम और प्रसन्नता आंतरिक स्वास्थ्य है। जो व्यक्ति बाहर और आंतरिक रूप से स्वास्थ्य है वही वास्तव में निरोगी है। योग के आठ अंग इसी का उपाय बताते हैं।

प्रारंभ के तीन अंग यम, नियम, आसन साधन हैं, अंतिम तीन अंग धारणा, ध्यान, समाधि साधन हैं और बीच के 2 अंक

प्राणायाम और प्रत्याहार इन दोनों को जोड़ने वाली सेतु है। प्राणायाम वात पित्त व कफ के दोषों को दूर करके प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करती है। योग के लिए शरीर को भी योग्य बनाना आवश्यक है। इसके लिए युक्त आहार और विहार आवश्यक है।

विशेषज्ञ डॉ भागवत सिंह ने अष्टांग योग की विस्तार पूर्वक व्याख्या करते हुए कहा मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पहले से है, वह बना रहे इसके लिए योग आवश्यक है। शरीर को निरोगी रखने के लिए व्रत आवश्यक है। सभी धर्मों में व्रत की व्यवस्था है। [illegible] गया ताकि व्यक्ति स्वस्थ रहे। स्वस्थ रहने से शरीर का [illegible] हो जाता है।

विशेषज्ञ डॉ बृजेश सिंह ने प्रकृति और संस्कृति पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा, जितने हम प्रकृति से दूर होते हैं हममें विकृति आती है और हम अस्वस्थ होते हैं, जितने हम प्रकृति के निकट होते हैं उतने ही हम स्वस्थ होते हैं। [illegible] संस्कृति है। आप कहीं भी प्रकृति के बिना संस्कृति की कल्पना नहीं कर सकते। प्राचीन नगरों, हड़प्पा आदि में अस्पताल के प्रमाण नहीं मिले जो बताता है कि प्राचीन काल में लोग प्रकृति से जुड़े हुए थे इसलिए निरोग रहते थे।